दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-२८ वा | शुक्रवार १० अक्टूबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

फिलिस्तीन की धरती पर दोहरी खुशी-ग़ज़ा में अमन और केमिस्ट्री में नोबेल पुरस्कार

---- उमर याग़ी: एक फ़िलिस्तीनी शरणार्थी कैंप से नोबेल पुरस्कार तक का उज्ज्वल सफ़र ----

रिपोर्ट।। क़ाज़ी मख़दूम, बीड़

आज फ़िलिस्तीन और पूरी मुस्लिम दुनिया ने राहत की सांस ली है। दो साल तक ग़ज़ा में इसराइल की बर्बरता और नस्लकुशी के बाद, आख़िरकार हमास और इसराइल के बीच अमन समझौता हो गया है। ग़ज़ा और फ़िलिस्तीन की वो ज़मीन, जहाँ स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मकान और बाज़ार खंडहर में तब्दील हो चुके हैं - वहीं से आज इल्म और तहरीक (ज्ञान और शोध) की ऐसी किरण फूटी है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। हाल ही में नोबेल पुरस्कार समिति ने २०२५ के रसायन विज्ञान (Chemistry) के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की, जिसे तीन वैज्ञानिकों को दिया गया है - इनमें फ़िलिस्तीन की धरती से जुड़े प्रोफेसर उमर मोहम्मद याग़ी भी शामिल हैं। दुनिया में जहाँ जंग और उम्मीदें साथ-साथ चलती हैं, वहीं यह खबर सिर्फ़ एक वैज्ञानिक कामयाबी नहीं, बल्कि इंसानी काबिलियत और सब्र की जीत भी है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, बर्कले के मशहूर केमिस्ट, प्रोफेसर उमर मोहम्मद याग़ी को २०२५ का नोबेल पुरस्कार रसायन विज्ञान के क्षेत्र में दिया गया है। यह सम्मान उन्हें जापान के प्रोफेसर सुसुमु कितागावा और ऑस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन के साथ साझा रूप से मिला है।

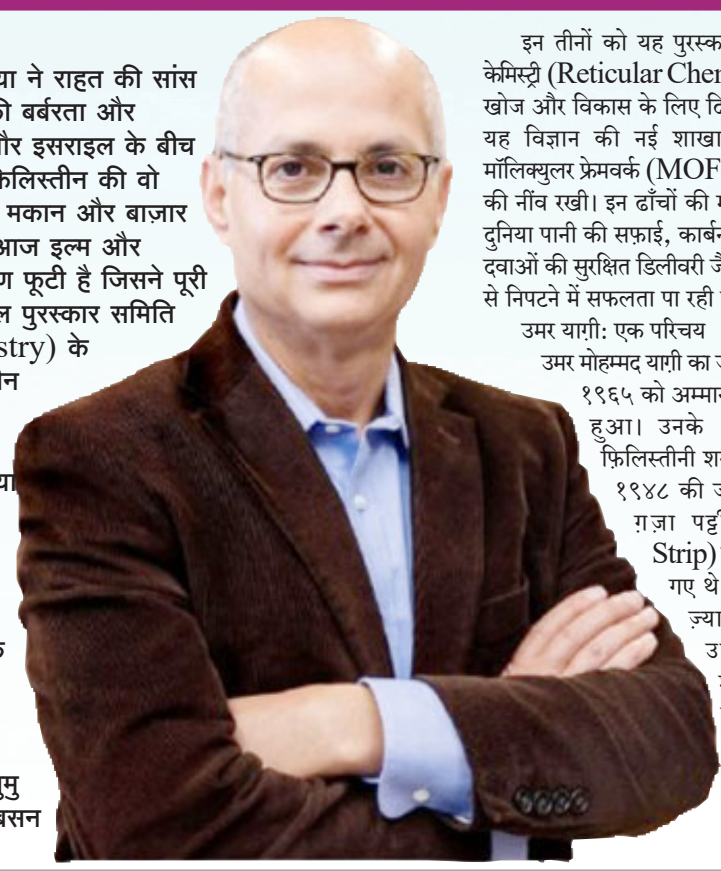

इन तीनों को यह पुरस्कार रेटिक्युलर केमिस्ट्री (Reticular Chemistry) की खोज और विकास के लिए दिया गया है - यह विज्ञान की नई शाखा है, जिसने मॉलिक्युलर फ्रेमवर्क (MOFs) जैसे ढाँचों की नींव रखी। इन ढाँचों की मदद से आज दुनिया पानी की सफ़ाई, कार्बन कैप्चर और दवाओं की सुरक्षित डिलीवरी जैसे बड़े संकटों से निपटने में सफलता पा रही है।

उमर याग़ी: एक परिचय

उमर मोहम्मद याग़ी का जन्म ९ फ़रवरी १९६५ को अम्मान (जॉर्डन) में हुआ। उनके माता-पिता फ़िलिस्तीनी शरणार्थी थे जो १९४८ की जंग के दौरान ग़ज़ा पट्टी (Gaza Strip) से पलायन कर गए थे। बचपन का ज़्यादातर समय उन्होंने एक शरणार्थी कैंप में गुज़ारा, जहाँ पानी की क़िल्लत आम बात थी।

मैंने बचपन में देखा कि पानी कितना कीमती है, याग़ी ने हाल ही में नोबेल समिति को दिए एक इंटरव्यू में कहा। वही तजुर्बा था जिसने मुझे पानी को साफ़ करने वाली तकनीकों की ओर खींचा।

आज भी उनकी फ़िलिस्तीनी जड़ें उनकी पहचान का हिस्सा हैं - एक ऐसा रिश्ता जो उन्हें हमेशा अपनी कौम से जोड़े रखता है।

वैज्ञानिक योगदान

उमर याग़ी को रेटिक्युलर केमिस्ट्री का संस्थापक कहा जाता है। उनकी खोजें - विशेष रूप से मेटल ऑर्गैनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs) - ऐसी संरचनाएँ हैं जो अणुओं को परत-दर-परत जोड़ती हैं, जैसे लेगो ब्लॉक्स। इनकी मदद से ऊर्जा बचाई जा सकती है और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ़ लड़ाई में भी क्रांति लाई जा सकती है।

वह यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, बर्कले में James Neeltje Tretter Distinguished Professor के रूप में कार्यरत हैं। अब तक उन्होंने ५०० से ज़्यादा शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और कई पेटेंट उनके नाम हैं।

उनकी शोध ने खास तौर पर मध्य पूर्व जैसे इलाकों में पानी की समस्या के समाधान में अहम भूमिका निभाई है - यह इलाक़ा, जो आज भी सूखे से जूझ रहा है।

संघर्ष से सफलता तक

उमर याग़ी का जीवन हर उस इंसान के लिए मिसाल है जो हालात से हार नहीं मानता। एक शरणार्थी कैंप से नोबेल की ऊँचाइयों तक का सफ़र आसान नहीं था।

१५ साल की उम्र में उनका परिवार अमेरिका चला गया। वहाँ उन्होंने SUNY -lbany University से १९८५ में रसायन विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन से १९९० में PhD पूरी की, जहाँ उन्होंने Coordination Chemistry पर काम किया।

१९९२ में वे arizona State University में असिस्टेंट प्रोफेसर बने और १९९९ में णउङ- में आ गए। २००६ से २०११ के बीच, उन्होंने MOFs की नींव रखी - ऐसी संरचनाएँ जो गैसों और तरल पदार्थों को अवशोषित कर सकती हैं।

२०१२ में वे बर्कले चले गए, जहाँ उनकी प्रयोगशाला ने एक ऐसी मशीन बनाई जो हवा से पानी निकाल सकती है - यह तकनीक रेगिस्तानी इलाकों में जीवन बदल सकती है।

याग़ी कहते हैं: साइंस सबसे बड़ा बराबरी करने वाला मैदान है। यह अमीर-गरीब, शरणार्थी या नागरिक - सबको एक समान मौका देती है।

उम्मीद की किरण

उमर याग़ी का नोबेल पुरस्कार केवल विज्ञान की जीत नहीं, बल्कि फ़िलिस्तीन की आत्मा की जीत है। जिस समय ग़ज़ा और फ़िलिस्तीन में अमन की राहें खुल रही हैं, उसी समय यह पुरस्कार इस बात की याद दिलाता है कि ज्ञान और मेहनत सीमाओं से परे हैं।

याग़ी की खोजें न केवल पानी की कमी दूर करेंगी बल्कि फ़िलिस्तीन की मिट्टी को फिर से हरा-भरा बना सकती हैं। यह उन युवाओं के लिए संदेश है जो संघर्ष में भी सपने देख रहे हैं -

किताबें उठाओ, सपने देखो, और कभी हार मत मानो।

जैसा कि उमर याग़ी ने कहा:

मैं ग़ज़ा से आया हूँ, और अब मैं दुनिया को वही लौटा रहा हूँ जो उसने मुझे दिया - इल्म (ज्ञान)। उमर के दो साथी जिन्हें उनके साथ नोबेल मिला है उनमें २०२५ के नोबेल पुरस्कार (रसायन विज्ञान) विजेता: प्रोफेसर सुसुमु कितागावा (जापान), प्रोफेसर रिचर्ड रॉबसन (ऑस्ट्रेलिया) शामिल हैं।

मुख्य न्यायाधीश पर हमले के आरोपी की तस्वीर पर जूते बरसाकर विरोध प्रदर्शन

परली, दिनांक ९ (प्रतिनिधि):

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर के विरोध में परली शहर के नागरिकों ने ९ अक्टूबर को मुख्य चौक में उसकी तस्वीर पर जूते बरसाकर तीव्र जोड़ो मारो आंदोलन किया।

ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सनातनी विचारधारा से प्रेरित हमलावर वकील राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर जूता फेंकने का प्रयास किया था। इस घटना के विरोध में नागरिकों ने मांग की कि उसके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाए और केंद्र सरकार तुरंत उसकी गिरफ्तारी करे।

इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन ९ अक्टूबर की सुबह ११ बजे रानी लक्ष्मीबाई टॉवर चौक पर संविधान प्रेमी नागरिकों द्वारा किया गया। उपस्थित नागरिकों, सर्वदलीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राकेश किशोर की तस्वीर पर जूते बरसाकर उसका कड़ा विरोध व्यक्त किया।

प्रदर्शन के अंत में नागरिकों ने राष्ट्रपति के नाम परली तहसीलदार के माध्यम से एक निवेदन सौंपा, जिसमें मांग की गई कि हमलावर राकेश किशोर पर कठोर कार्रवाई की जाए और उसके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाए।

महाराष्ट्र के विकास के तीन स्तंभ: स्पष्ट दृष्टिकोण, तेज निर्णय और जिम्मेदार कार्यान्वयन-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

जमीर काजी

मुंबई:

महाराष्ट्र के सभी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में स्पष्ट दृष्टिकोण, तेज निर्णय प्रक्रिया और जिम्मेदार कार्यान्वयन तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा। जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट २०२५ के कार्यक्रम में क्रेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुणाल शाह को साक्षात्कार देते हुए उन्होंने अपनी कार्यशैली की कुंजी साझा की।

फडणवीस ने कहा कि, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक जैसी कई परियोजनाएं दशकों से लंबित थीं, लेकिन 'इन्फ्रास्ट्रक्चर वॉर रूम' के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया को गति दी गई। पहले मुंबई मेट्रो के पहले चरण की योजना बनाने में छह साल लगे थे। लेकिन हमने ३७२ किमी मेट्रो नेटवर्क के लिए केवल ११ महीनों में निविदा चरण तक पहुंच गए। २०३० तक महाराष्ट्र को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का हमारा लक्ष्य है।

नवी मुंबई क्षेत्र में 'तीसरी मुंबई' का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें 'एजु सिटी', 'इनोवेशन सिटी', 'स्पोर्ट्स सिटी' और 'जीसीसी सिटी' स्थापित की जाएंगी। 'एजु सिटी' में १० से १२ विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस होंगे, जो १ लाख छात्रों को शिक्षा का अवसर प्रदान करेंगे। इन विश्वविद्यालयों में विश्व स्तरीय संस्थान शामिल होंगे। इससे नए शहर और नई अर्थव्यवस्था का विकास होगा। उन्होंने कहा कि इनोवेशन सिटी में वैश्विक स्तर के अनुसंधान और प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। टाटा सन्स के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने इस परियोजना का खाका तैयार करने के लिए पहल की है।

मुंबई के उत्तरी हिस्से में वाढवण में भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह परियोजना बनाई जा रही है। २० मीटर गहरा ड्राफ्ट वाला यह बंदरगाह विश्व के शीर्ष दस बंदरगाहों में शुमार होगा। इसके अलावा, मुंबई का तीसरा ऑफशोर हवाई अड्डा और बुलेट ट्रेन स्टेशन भी प्रस्तावित है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (-ख) तकनीक राज्य के सभी क्षेत्रों में परिवर्तन ला रही है। राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए ५०० करोड़ रुपये की '-ख मिशन' शुरू की है और किसानों के लिए मराठी, हिंदी और अंग्रेजी में -ख चैटबॉट विकसित किया गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों का सामना करने के लिए तकनीक का उपयोग कर सतत कृषि का नया मार्ग तलाशा जा रहा है।

विधान परिषद सभापति के कहने पर गुंड को मिला शस्त्र लाइसेंस-विधायक रोहित पवार

जमीर काजी

मुंबई: फरार गुंड नीलेश घायवळ विधान परिषद के सभापति राम शिंदे का करीबी है। उनके कहने पर या गृह विभाग के निर्देश पर गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने सचिन घायवळ को शस्त्र लाइसेंस देने का आदेश दिया होगा, ऐसा आरोप राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने बुधवार को पत्रकार परिषद में लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि अत्यधिक बारिश के कारण किसान पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं, लेकिन महायुति सरकार ने मदद के नाम पर केवल आंकड़े बढ़ाकर किसानों के साथ धोखा किया है।

पवार ने कहा, विधान परिषद सभापति राम शिंदे का फरार गुंड नीलेश घायवळ वर्षों से करीबी रहा है। इसलिए उसे फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाकर विदेश भेजा गया। उसके भाई सचिन पर भी कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने सचिन को शस्त्र लाइसेंस देने से मना किया था, लेकिन सभापति या गृहमंत्री के निर्देश के बिना गृह राज्यमंत्री कदम द्वारा लाइसेंस की अनुमति देना संभव नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, सरकार को शीतकालीन सत्र १० दिन के बजाय ३ सप्ताह का करना चाहिए। देवेंद्र फडणवीस जब विपक्षी नेता थे और कोरोना काल में, वे हमेशा कहते थे कि सत्र ३ सप्ताह का होना चाहिए। जब किसान संकट में हैं, तो यह सत्र ३ सप्ताह का क्यों नहीं हो सकता? हम सरकार से यह सवाल कर रहे हैं। सरकार ने किसानों के लिए जो मदद की घोषणा की है, वह भ्रामक और धोखे से भरी है। इस पर चर्चा न हो, इसलिए सरकार डर रही है और इसीलिए सत्र को १० दिन का रखा गया है। शक्ति मार्ग के लिए २४,००० करोड़ रुपये की मांग की जाएगी। स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव को ध्यान में रखते हुए सारी रणनीति तैयार की जाएगी।

पवार ने कहा कि सरकार को ओला सूखा घोषित करना चाहिए। सरकार ने छात्रों की परीक्षा फीस देने की बात कही, लेकिन कॉलेज फीस के बारे में कुछ नहीं कहा। चुनाव से पहले सरकार ने किसान कर्जमाफी का वादा किया था, लेकिन कर्जमाफी नहीं की गई। किसानों की मांग है कि कर्जमाफी होनी चाहिए। अगर किसान संकट में हैं, तो मजदूर वहां नहीं जा सकते। इसलिए शेतमजूरों को अगले ६ महीने तक जीविका के लिए प्रति परिवार २६,००० रुपये दिए जाएं। सरकार ने मदद के नाम पर किसानों के साथ ठगी की है। आंकड़े बढ़ाकर दिखाए गए हैं और यह सब केवल चुनाव के लिए किया जा रहा है।

पवार ने कहा कि किसी भी राज्य में नुकसान होने पर केंद्र सरकार मदद देती है। हमारे राज्य में ६५ लाख हेक्टेयर का नुकसान हुआ, जिसके लिए केंद्र सरकार से एनडीआरएफ के माध्यम से ६,१७५ करोड़ रुपये मिलेंगे। राज्य सरकार भी ६५ लाख हेक्टेयर के नुकसान के लिए प्रति हेक्टेयर १०,००० रुपये के हिसाब से ६,५०० करोड़ रुपये देगी। यानी कुल मिलाकर १३,००० करोड़ रुपये का आंकड़ा बनता है। कुओं के लिए ३३ करोड़ रुपये मिलेंगे, लेकिन प्रति कुआं १.५ लाख रुपये दिए जाने चाहिए। २०-३० हजार रुपये में कुछ नहीं होगा। ४२,००० से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। उनके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना से १.५ लाख रुपये देने की बात कही, लेकिन पहले से ही कई लोगों को यह राशि दी जानी बाकी है। इसलिए हमारी मागणी है कि १.५ लाख रुपये सीधे किसानों के खाते में डाले जाएं। सरकार की मदद का आंकड़ा १२ से १३,००० करोड़ रुपये के आसपास है, लेकिन कहीं न कहीं किसानों को ठगा जा रहा है। जब ठेकेदारों का १ लाख करोड़ रुपये बकाया है, तो नया काम कौन लेगा? फिर १०,००० करोड़ रुपये सड़कों के लिए कैसे दिए जाएंगे? पवार ने यह सवाल उठाया।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मुंबई में नया प्रभात: भारत-यूके संबंधों के लिए 'ब्रिस्क' युग की शुरुआत

मुंबई शहर में उत्साह का माहौल है, क्योंकि यूनाइटेड किंगडम (UK) के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के दूसरे दिन के दौरे के कारण सभी का ध्यान इस शहर पर केंद्रित है। 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' के भव्य समापन समारोह की ओर सभी की नजरें लगी हुई हैं। यह भारत और यूके के बढ़ते मित्रता संबंधों का एक जोरदार प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री स्टारमर आज संयुक्त रूप से मुख्य भाषण देंगे। यह मुलाकात केवल औपचारिक राजनयिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि शताब्दियों से चल रहे सहयोग के विकास का और दोनों देशों के पुराने संबंधों के एक महत्वपूर्ण अध्याय का शिखर है।

ऐतिहासिक मोड़: 'कॉम्प्रेहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (Comprehensive Strategic Partnership)

२०२५ भारत और णघ संबंधों के लिए निर्णायक वर्ष साबित हो रहा है। लंबे इतिहास वाले इस संबंध को अब औपचारिक रूप में 'कॉम्प्रेहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा मिला है। 'भारत-UK विज़न २०३५' इस साझेदारी को मार्गदर्शन दे रहा है, जिसमें दोनों देशों के समान विकास और समृद्धि की योजना शामिल है। दोनों देशों में मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण ये संबंध और दृढ़ हुए हैं। इस वर्ष जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी के णघ दौरे और इसके बाद प्रधानमंत्री स्टारमर के भारत दौरे ने इस साझेदारी को नई गति दी है। यह दौरा दोनों देशों के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण और ठोस लाभ देने का वचन देता है।

आर्थिक विकास और अवसरों के लिए इंजन

मुंबई में इस बहुप्रतीक्षित घोषणा का आधार इस वर्ष की शुरुआत में, २४ जुलाई २०२५ को, हस्ताक्षरित 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (CET- - Comprehensive Economic and Trade -greement) है। कई वर्षों की कड़ी बातचीत के बाद यह महत्वपूर्ण समझौता व्यापार क्षेत्र का स्वरूप बदलने वाला है। भारतीय उपभोक्ता, उत्पादक और निर्यातक के लिए यह समझौता नई अवसरों के दरवाजे खोलेगा, जिससे उद्योग और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

इस समझौते के तहत णघ के बाजार में प्रवेश करने वाले ९९% भारतीय उत्पादों पर सीमाशुल्क समाप्त हो जाएगा। इसमें पारंपरिक भारतीय वस्त्र उद्योग, चमड़े के उत्पाद, कृषि उत्पाद और ऑटोमोटिव घटक शामिल हैं। इस समझौते का उद्देश्य केवल व्यापार नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, नवाचार को प्रोत्साहन और सभी क्षेत्रों में समृद्धि बढ़ाना है।

द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में ४३ अरब पौंड से बढ़कर २५.५ अरब पौंड वार्षिक वृद्धि का अनुमान है। इससे भारत की वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में ५.१ अरब पौंड की वृद्धि संभावित है। इस आंकड़े में कारीगरों से लेकर टेक स्टार्टअप्स तक सभी का योगदान है।

यह समझौता ४८ घंटे के भीतर माल की मंजूरी के लिए कस्टम प्रक्रिया को आसान बनाएगा, जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों को लालफीताशाही की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। यह प्रधानमंत्री मोदी के "Ease of Doing Business' दृष्टिकोण का भी प्रतीक है।

हिंद-प्रशांत (Indo-Pacific) में सुरक्षा संबंध मजबूत करना

यह साझेदारी केवल आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी पहुँची है। हाल के नौसेना अभ्यास 'कोंकण २०२५' में भारत की खछड विक्रांत और णघ की क्वड प्रिन्स ऑफ वेल्स की संयुक्त कार्रवाई इस सहयोग का उदाहरण है। इस समन्वय ने दोनों सशस्त्र बलों में बढ़ती इंटरऑपरेबिलिटी और क्षेत्रीय शांति के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाई।

'लिविंग ब्रिज': स्थायी लोगों के बीच पुल

रणनीतिक समझौतों के अलावा, यह साझेदारी 'लिविंग ब्रिज' के माध्यम से लोगों से लोगों का स्थायी जुड़ाव सुनिश्चित करती है। णघ में भारतीय डायस्पोरा, जो वहां की कुल जनसंख्या का २.६% है और ६५,००० से अधिक व्यवसायों के मालिक हैं, सामाजिक-आर्थिक बंधन को मजबूत करता है।

तकनीक, नवाचार और फिनटेक फेस्ट में साझा भविष्य

इस साझेदारी का भविष्य तकनीक और नवाचार पर आधारित है। 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' में १०० से अधिक देशों के ८०० से अधिक वक्ताओं के साथ यह मंच प्रधानमंत्री मोदी और स्टारमर के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है।

डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन में भारत की अग्रणी भूमिका णघ के वैश्विक वित्तीय तंत्र का पूरक है। "Technology Security Initiative' के तहत दोनों देश दूरसंचार, -ख और महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर एवं खनिज आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा पर जोर दे रहे हैं।

जलवायु कार्रवाई और सततता

जलवायु कार्रवाई इस साझेदारी का एक मुख्य स्तंभ है। दोनों देश स्वच्छ ऊर्जा और ग्रीन फाइनेंस को बढ़ावा दे रहे हैं। इझ और Shell जैसी णघ कंपनियों का भारत में स्वच्छ ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहन इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश इसका उदाहरण है।

नए युग की शुरुआत

प्रधानमंत्री मोदी और स्टारमर का संयुक्त भाषण साझा मूल्यों और पारस्परिक लाभ पर आधारित परिपक्व साझेदारी का प्रतीक होगा। यह युति आर्थिक ताकत, सुरक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंध और नवाचार की भावना का लाभ उठाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक दृष्टिकोण के तहत, यह साझेदारी केवल पुनर्जीवित नहीं हुई बल्कि नए युग के लिए पुनर्कल्पित की गई है। भारत और णघ समृद्धि, सुरक्षा और स्थिर, मुक्त वैश्विक व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। यह नूतनीकृत युति केवल उनके नागरिकों के भविष्य ही नहीं, बल्कि आने वाले दशकों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों की दिशा तय करने का वचन देती है।

ब्रिजेश सिंह (भा.पो.से.)

प्रधान सचिव तथा महासंचालक (सूचना और जनसंपर्क)

एकनाथ शिंदे का बीड़ जिले के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए मदद का हाथ; सैकड़ों किसानों को सहायता किट का वितरण!

मदद का संदेश ही शिवसेना की नीति है-राजेश कदम

बीड़, प्रतिनिधि - अत्यधिक वर्षा के कारण बीड़ जिले में उत्पन्न हुई बाढ़ की स्थिति ने किसानों और नागरिकों को गंभीर संकट में डाल दिया है। इस भीषण परिस्थिति में हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे साहेब के विचारों से प्रेरणा लेते हुए महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना मुख्य नेता माननीय श्री एकनाथजी शिंदे साहेब और संसद रत्न सांसद माननीय डॉ. श्रीकांतजी शिंदे साहेब के मार्गदर्शन में शिवसेना की ओर से बाढ़ प्रभावितों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया गया।

शिवसेना कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के कल्याण ग्रामीण के विधायक राजेश मोरे के नेतृत्व में ९ अक्टूबर २०२५ को दोपहर १२ बजे सिंदफना नदी के किनारे स्थित बाढ़ प्रभावित गांव के किसानों को सहायता किट का वितरण किया गया। इस पहल के माध्यम से बाढ़ प्रभावित किसानों को तात्कालिक राहत प्रदान की गई। इस अवसर पर थाना उपजिल्हाप्रमुख राजेश कदम और बीड़ शिवसेना जिल्हाप्रमुख अनिलदादा जगताप, जिल्हाप्रमुख सचिन मुळूक ने कहा, मदद का संदेश ही शिवसेना की नीति है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे साहेब और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे साहेब के मार्गदर्शन में मदद का हाथ आगे बढ़ाया गया है।

सहायता वितरण कार्यक्रम से पहले शिवसेना पदाधिकारियों ने पंचक्रोशी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपजिल्हाप्रमुख राजेश कदम, डोंबिवली नगरसेवक राजन मराठे, नगरसेवक अंबरनाथ सुभाष साळुंखे, डोंबिवली युवासेना अध्यक्ष सागर जेधे, उपतालुका प्रमुख राहुल गणपुले, युवासेना विधानसभा अध्यक्ष सूरज मराठे, संजय निकते आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

साथ ही जिल्हाप्रमुख सचिन मुळूक, बीड़ कृषि उत्पन्न बाजार समिति के उपसभापति शामसुंदर पडुले, शिवसेना, युवासेना, वी.जे.एन.टी. सेना, किसान सेना और एस.टी. श्रमिक सेना के पदाधिकारी तथा स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस पहल के माध्यम से शिवसेना ने बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता के लिए कदम बढ़ाया और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी की नीति को रेखांकित किया।

दो और गुंडों को हर्सूल जेल भेजा गया; जिले में एमपीडीए की कार्रवाई जारी

बीड़, दिनांक ९ (प्रतिनिधि):

अपराध और दहशत फैलाने वाले गुंडों के खिलाफ एमपीडीए (च.झ.ऊ-.) के तहत की जा रही कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में दो और गुंडों को हिरासत में लेकर हर्सूल जेल भेजा गया है। परली शहर और पिंपळनेर पुलिस थानों में इन दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज थे।

जिन दो गुंडों पर यह कार्रवाई की गई है उनके नाम हैं -

विजय उर्फ बालू संजय साबने (उम्र २५ वर्ष, निवासी स्नेह नगर, परली)

और शाम दशरथ वाघमारे (उम्र ३४ वर्ष, अंथरवण पिंप्री)।

विजय उर्फ बालू पर परली शहर पुलिस थाना क्षेत्र में हत्या का प्रयास, गंभीर मारपीट, जान से मारने की धमकी, महिलाओं से छेड़छाड़ जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। अब तक उस पर ६ आपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं और ३ बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई, लेकिन उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ।

वहीं शाम वाघमारे पर पिंपळनेर पुलिस थाना क्षेत्र में सरकारी काम में बाधा डालना, लोकसेवक को चोट पहुंचाना, गाली-गलौज करना, जान से मारने की धमकी देना, खंडणी (रंगदारी) और धोखाधड़ी जैसे ६ गंभीर अपराध दर्ज थे।

दोनों आरोपियों में सुधार न होने के कारण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एमपीडीए के तहत प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसे जिलाधिकारी के पास भेजा गया। जिलाधिकारी की मंजूरी मिलने के बाद स्थानीय गुन्हे शाखा ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हर्सूल जेल भेज दिया।

सड़क दुर्घटना में मारे गए दो पुलिस कर्मियों को १-१ करोड़ रुपये का बीमा मंजूर

पुलिस अधीक्षक ने परिवारों को सौंपे धनादेश

बीड़, दिनांक ९ (प्रतिनिधि):

जिला पुलिस बल में कार्यरत दो पुलिस हवालदार - सुनील सुंदरराव

घोळवे और सुभाष अजिनाथ तेलप - का हाल ही में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। दोनों अपने परिवारों के मुखिया थे, जिनकी मृत्यु से उनके घरों में गहरा शोक छा गया।

दोनों पुलिस कर्मियों का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में बीमा पॉलिसी थी, जिसके अंतर्गत प्रत्येक को १-१ करोड़ रुपये का बीमा दावा स्वीकृत किया गया है।

पुलिस अधीक्षक नवनीत कावट के हस्ते और बैंक अधिकारियों की उपस्थिति में इन धनादेशों का वितरण किया गया।

जानकारी के अनुसार, सुनील सुंदरराव घोळवे का निधन ९ नवंबर २०२४ को हुआ था, जबकि सुभाष अजिनाथ तेलप की मृत्यु २४ नवंबर २०२४ को हुई थी। दोनों पुलिस कर्मियों ने अपने जीवनकाल में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खाता खुलवाकर बीमा करवाया था। अंततः उनके परिवारों को यह १-१ करोड़ रुपये का बीमा दावा प्रदान किया गया।

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के मतदाता सूची में नाम खोजने के लिए वेबसाइट उपलब्ध

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई:

राज्य की जिला परिषदों/पंचायत समितियों और नगरपरिषद/नगरपंचायतों के चुनाव के लिए प्रारूप मतदाता सूची ८ अक्टूबर २०२५ को प्रकाशित की गई है। इस सूची में नाम खोजने की सुविधा https://mahasecvoterlist.in/ वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने १ जुलाई २०२५ को अधिसूचित दिनांक के रूप में निर्धारित किया है।

इस दिनांक की विधानसभा मतदाता सूची का उपयोग इन चुनावों के लिए किया जा रहा है। इसके आधार पर तैयार की गई जिला परिषद/पंचायत समिति की निर्वाचक गणना और नगरपरिषद/नगरपंचायत के प्रभागानुसार प्रारूप मतदाता सूची में नाम खोजने के लिए स्वतंत्र वेबसाइट लिंक राज्य निर्वाचन आयोग की https://mahasec.maharashtra.gov.in/ वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

जिला परिषद और पंचायत समिति की प्रारूप मतदाता सूची की छायांकित प्रति संबंधित तहसील कार्यालय में उपलब्ध होगी। इसी तरह, नगरपरिषद और नगरपंचायत की प्रारूप मतदाता सूची की छायांकित प्रति संबंधित नगरपरिषद और नगरपंचायत कार्यालय में उपलब्ध होगी। जिला परिषद/पंचायत समिति, नगरपरिषद/नगरपंचायत आदि की मतदाता सूची की प्रति के लिए दो रुपये शुल्क देना होगा।

प्रारूप और अंतिम मतदाता सूची की विनाछायाचित्र (PDF) प्रति https://mahasecvoterlist.in/ObjectionOnClick/DownloadVoterlist वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एनएचएम कर्मचारियों को १५ प्रतिशत वेतन वृद्धि-स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई:

राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान (एनएचएम) के तहत अनुबंधित रूप से कार्यरत कर्मचारियों के वेतन में १५ प्रतिशत वृद्धि दी जाएगी। राज्य भर में लगभग पचास हजार कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। यह जानकारी सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर ने दी।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एनएचएम के तहत कई पदों पर अनुबंधित कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। इन कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि की मांग की थी। इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वीकार करते हुए शासन ने जून २०२५ के देय वेतन पर १५ प्रतिशत वृद्धि देने का निर्णय लिया है।

स्वास्थ्य प्रणाली के संचालन में एनएचएम कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है और उनकी शेष मांगों के संबंध में भी शासन सकारात्मक है। स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर ने बताया कि:

१० वर्ष लगातार सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को स्थायी किया जाएगा।

एनएचएम कर्मचारियों को ईएसआईएस (एड्ख) के तहत सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान किए जाएंगे।

गंभीर रोग, अपंगत्व और मृत्यु जैसी स्थितियों में आर्थिक सहायता के लिए एनएचएम कर्मचारी कल्याण निधि का निर्माण किया जाएगा।

अत्यंत दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों को विशेष भत्ता दिया जाएगा।

अनुबंधित कर्मचारियों के वेतन में असमानता को समाप्त किया जाएगा।

इसके अलावा अन्य मांगों पर भी शासन सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है।

इस प्रकार एनएचएम कर्मचारियों की मेहनत और योगदान को उचित सम्मान और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जिंतूर में स्थानीय स्वराज्य संस्थावो के चुनाव में महायुते के घटक पक्ष आमने सामने?

शहर के राजकीय गलियारों में मजेदार चर्चा

एम एजाज जिंतूरकर

जिंतूर:-- स्थानिक स्वराज्य संस्थावो के सभी जिल्हा परिषद, पंचायत समीती, नगर परिषद, नगर पंचायत चुनाव जल्द ही होने जा रहे हैं! चुनाव आयोग ने जिल्हा परिषद सभापती पद का और नगर परिषद अध्यक्ष पद के आरक्षण घोषीत कर दिया है! दि ८ ऑक्टोबर २०२५को प्रभाग निहाय आरक्षण घोषीत होने जा रहे हैं! परभणी जिल्हा परिषद सभापती पद एसी महिला के लिए आरक्षित हुवा है! तों जिंतूर नगराध्यक्ष पद ओपन/खुला प्रवर्ग के लिए आरक्षित हुवा है! ये आरक्षण घोषीत होते ही इच्छुक दिग्गज उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारने के लिए! अब बेचैन दिखाई दे रहे हैं! नगराध्यक्ष पद के लिए बड़ी चुरस दिखाई दे रही है! इस बार सिधे जनता में से नगराध्यक्ष चुनाव जितने वाले नगराध्यक्ष को अगर राजकीय उथलपुथल नहीं हुई! तों पांच साल का मौका मिलेगा जिंतूर सेलू मतदारसंघ में पालक मंत्री सौ मेघना दीदी साकोरे बोर्डीकर और मा आ विजयरावजी भांबळे को अपने अपने

नगराध्यक्ष के उम्मीदवार जैसे को तैसा देना होगा! और सत्ता कैसे काबीज कर सकते हैं! ये देखना दिलचस्प होगा! जिंतूर नगर परिषद के नगराध्यक्ष चुनाव की ओर परभणी जिल्हे के साथ साथ पुरे महाराष्ट्र की नजर लगी रहेगी! पालक मंत्री मेघना बोर्डीकर और मा आ विजय भाबंळे एक दुसरे के कट्टर विरोधक मानें जातें हैं! मा आ अब महायुती के घटक पक्ष राष्ट्रवादी कांग्रेस अजित पवार गुट में प्रवेश किया है! और वो दोनों एक दूसरे के कट्टर विरोधक हैं! महाराष्ट्र राज्य में ये दोनों पक्ष सत्ता में एक साथ हैं! मगर स्थानीय स्वराज्य संस्थावो के चुनाव में ये दोनों पक्ष खुद के बल पर चुनाव लडने की व्हियुरचना बना रहे हैं!

बाबासाहेब के बाद बहुजन समाज को जागृत करने का कार्य मान्यवर कांशीराम साहेब ने किया-प्रशांत वासनिक

बीड संवाददाता

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने इस देश की साढ़े छह हजार जातियों को एकत्रित करने के लिए प्रवर्ग (समूह) का निर्माण करके बहुजन समाज को एकजुट करने का कार्य शुरू किया था। इस प्रयास को देश की मनुवादी व्यवस्था ने पहचाना और इसके विरोध में कई जातियों के लोगों को बाबासाहेब के खिलाफ खड़ा किया। बाबासाहेब के बारे में अपप्रचार करके मनुवादी मानसिकता वाले लेखकों ने उनके ऊपर गलत साहित्य भी रचा, क्योंकि अगर बहुजन समाज बाबासाहेब की विचारधारा के तहत एकजुट हो जाता तो वह मनुवादी व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह करेगा। इस प्रकार, विभिन्न जातियों को बाबासाहेब के खिलाफ खड़ा किया गया।

लेकिन बाबासाहेब आंबेडकर के साहित्य का अध्ययन करके लोग समझ गए कि बाबासाहेब वास्तव में क्या करना चाहते थे और उसी दिशा में उन्होंने अपना सक्रिय कार्यक्रम शुरू किया। कांशीराम साहेब ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा करके गांव-खेतों तक महापुरुषों की विचारधारा पहुँचाने और उसे स्थापित करने का कार्य किया। उन्होंने समाज के कर्मचारी अधिकारियों को बाबासाहेब के उपकारों की जानकारी दी और यह समझाया कि उनकी क्या जिम्मेदारी है। इसके बाद देशभर के ८५% बहुजन समाज के कर्मचारी अधिकारियों को एकत्र करके बामसेफ (इ-चउएऋ) नामक संगठन का निर्माण किया। आज दिनांक ९ अक्टूबर को छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर मान्यवर कांशीराम साहेब की स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में अभिवादन सभा का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मा. प्रा. वसंत ओगले सर, मा. अण्णासाहेब शेळके सर, मा. जी. एम. भोले, मा. डी. जी. वानखेडे, मा. अरुण वाघमारे, मा. भास्कर पिंपरीकर, मा. सागर अवसरमल, मा. एड. दीपक तांगडे, मा. एड. तेजस वडमारे, मा. एन. एम. वाठोरे, मा. कप्तान राजाभाऊ आठवले, मा. राजू झाडे, मा. जवंजाळ सर, मा. राजू मस्के, मा. कल्याण वाव्हळ, मा. रमेश काकडे, मा. कुंडलिक सोनवणे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com